ज्ञान शांति मैत्री

महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय, वर्धा

(संसद द्वारा पारित अधिनियम 1997 क्रमांक 3 के अंतर्गत स्थापित केंद्रीय विश्वविद्यालय)

Mahatma Gandhi Antarrashtriya Hindi Vishwavidyalaya, Wardha

(A Central University Established by Parliament by Act No. 3 of 1997)

अनुवाद अध्ययन विभाग

अनुवाद एवं निर्वचन विद्यापीठ

प्रवेश संबंधी विस्तृत जानकारी के लिए संपर्क :-

विभागाध्यक्ष/संकायाध्यक्ष

अनुवाद अध्ययन विभाग

अनुवाद एवं निर्वचन विद्यापीठ

महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय, वर्धा

(संसद द्वारा पारित अधिनियम 1997 क्रमांक 3 के अंतर्गत स्थापित केंद्रीय विश्वविद्यालय)

पोस्ट : गांधी हिल्स, वर्धा - 442 001 (महाराष्ट्र), भारत

फोन : 07152-232984, ई-मेल : translation.tech2014@gmail.com वेबसाइट : www.hindivishwa.org

महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय, वर्धा

परिचय : महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय की स्थापना वर्ष 1997 में हुई। विश्वविद्यालय का उद्देश्य साधारणतः हिंदी भाषा और साहित्य का संवर्धन और विकास करना, विद्या की सुसंगत शाखाओं में शिक्षण और अनुसंधान की सुविधाएँ प्रदान करना, हिंदी और अन्य भारतीय भाषाओं में तुलनात्मक अध्ययनों और अनुसंधान के सक्रिय अनुसरण की व्यवस्था करना, देश और विदेश में सुसंगत सूचना के विकास और प्रसारण के लिए सुविधाएँ प्रदान करना, हिंदी की कार्यात्मक प्रभावशीलता में सुधार करने के लिए अनुवाद, निर्वचन और भाषा विज्ञान आदि क्षेत्रों में अनुसंधान, शिक्षण और प्रशिक्षण कार्यक्रमों की व्यवस्था करना, विदेशों में हिंदी में अभिरूचि रखने वाले हिंदी विद्वानों तथा समूहों तक पहुँचना और प्रशिक्षण तथा अनुसंधान के लिए उन्हें विश्वविद्यालय से जोड़ना है। वस्तुतः भारत के ज्ञानाधार को और अधिक सुदृढ़ करने की आवश्यकता है, जिसके लिए इस विश्वविद्यालय द्वारा नित नूतन विकल्प तलाशे जा रहे हैं ।

महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय में भाषा, साहित्य, अनुवाद एवं निर्वचन, संस्कृति, मानविकी और समाज विज्ञान तथा सृजन विद्यापीठ कार्य कर रहे हैं, जो हिंदी के माध्यम से विविध ज्ञानानुशासनों में शिक्षण एवं शोध की सुविधाएँ उपलब्ध कराने के लिए प्रतिबद्ध हैं।

अनुवाद अध्ययन विभाग :

वैश्वीकरण के इस दौर में राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय स्तर पर दिन–प्रति दिन अनुवाद की महत्ता बढ़ती जा रही है । इसे बहुआयामी एवं स्वायत्त अनुशासन के रूप में पहचान मिल चुकी है, इसीलिए इस विश्वविद्यालय में अनुवाद एवं निर्वचन विद्यापीठ प्रारंभ हुआ । यह विद्यापीठ समस्त विश्वविद्यालयों में अद्वितीय है और इसके अंतर्गत कार्यरत अनुवाद अध्ययन विभाग देश का एकमात्र ऐसा विभाग है, जो अनुवाद की तकनीकी, प्रणालीगत और रोज़गारपरक संभावनाओं को यथार्थ में परिणत करने के लिए सतत प्रयासरत है।

विभाग के उद्देश्य :

- हिंदी को अनुवाद के माध्यम से राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय स्तर पर एक समृद्ध भाषा बनाना।
- हिंदी में मशीनी अनुवाद प्रणाली का विकास करना।
- अनुवाद को अंतरानुशासनिक बोध पाठ्यक्रम के रूप में विकसित करते हुए इस आधुनिक प्रौद्योगिकी के क्षेत्र के अनुरूप बनाना।
- अनुवाद को भाषा शिक्षण की विधा के रूप में विकसित करना।
- तुलनात्मक एवं अंतरानुशासनिक शोध हेतु ज्ञान आधारित पाठ एवं साहित्य उपलब्ध कराना।
- अनुवादकों एवं निर्वचकों के कौशल विकास हेतु प्रशिक्षण की व्यवस्था करना।
- अनुवाद हेतु विविध प्रकार के शब्दकोशों का निर्माण करना।

संचालित पाठ्यक्रम :

- एम.ए. (अनुवाद अध्ययन)
- एम.फिल. (अनुवाद अध्ययन)
- पीएच.डी. (अनुवाद अध्ययन)
- अनुवाद में पी.जी. डिप्लोमा
- प्रयोजनमूलक हिंदी में पी.जी. डिप्लोमा
- निर्वचन में पी.जी. डिप्लोमा

रोज़गार की संभावनाएँ :

- राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अनुवादक एवं दुभाषिए के रूप में।
- अध्यापन के क्षेत्र में।
- राजभाषा अधिकारी के रूप में।
- बी.पी.ओ. एवं काल सेंटर में विदेशी भाषा इंटरप्रेटर के रूप में।
- पर्यटन उद्योग एवं होटल प्रबंधन के क्षेत्र में।
- अनुवाद प्रौद्योगिकी क्षेत्र में मशीनी अनुवाद और सिनेमौटिक अनुवाद का कार्य।
- फिल्म एवं टी.वी. में अनुवादक के रूप में।
- पत्रकारिता में अनुवादक के रूप में।

उपलब्ध सुविधाएँ :

- पैंतीस विद्यार्थियों के बैठने योग्य मशीनी अनुवाद कंप्यूटर प्रयोगशाला।
- दो–सौ एकड़ भूमि पर फैला वाई–फाई कैंपस।
- उच्च शिक्षित एवं अनुभवी प्राध्यापक
- ऑन लाइन पुस्तक सूची के साथ विभागीय पुस्तकालय।
- शोध–कार्य हेतु उत्तम व्यवस्था।
- समय–समय पर संगोष्ठी, कार्यशाला, प्रशिक्षण कार्यक्रम, विशेष व्याख्यान आदि का आयोजन।
- छात्रावास की व्यवस्था।